आज का सुविचार

शिष्य ने क्या सीखा है इससे उसके मान अपमान का निर्णय होता है न कि कितने बड़े गुरु से वह सीखता है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 79 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 8 अगस्त 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Crime law - यदि कोई दबंग खेत, मकान अथवा जल स्त्रोत पर कब्जा कर ले, तो कहां शिकायत करें

कई बार ग्रामीण क्षेत्रों में कोई दबंग व्यक्ति, कमजोर व्यक्ति के खेत, मकान, तालाब, कुआं अथवा जल स्त्रोत पर कब्जा कर लेता है। शहरी इलाकों में भी लोगों के प्लॉट अथवा मकान पर पड़ोसियों द्वारा कब्जा कर लिया जाता है। ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को यह कहकर डराया जाता है कि यह एक सिविल का मामला है जो कोर्ट में दशकों तक चलेगा। जब तक इस केस का फैसला हुआ तब तक फरियादी की मृत्यु हो चुकी होती है। लेकिन, यह सब कुछ पीड़ित व्यक्ति को हतोत्साहित करने के लिए कहा जाता है। इस प्रकार के मामलों में कार्यपालक मजिस्ट्रेट (SDM) द्वारा तुरंत न्याय प्रदान करने का प्रावधान है।

युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

•Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita,2023 की धारा,164 की परिभाषा–

अगर किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट को पुलिस अधिकारी या अन्य किसी व्यक्ति की शिकायत पर यह सूचना मिलती है कि किसी अन्य व्यक्ति की निजी भूमि पर किसी व्यक्ति ने वर्तमान समय मे जबर्दस्ती कब्जा कर लिया है तब मजिस्ट्रेट कब्जाधारी व्यक्ति को धारा 145 के अंतर्गत निम्न प्रकार का आदेश जारी करेगा–

1. कार्यपालक मजिस्ट्रेट (SDM) कब्जा धारी व्यक्ति से भूमि अथवा जल स्त्रोत (कुआं, तालाब, ट्यूबवेल अथवा नल) के स्वामित्व से संबंधित वैध दस्तावेज की मांग करेगा। यदि कब्जा धारी व्यक्ति कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाता तब उसे बेदखल करने की कार्रवाई की जाएगी।

2. अगर किसी व्यक्ति ने ऐसी भूमि अवैध प्रकार से कब्जा किया है जिस पर कोई फसल या शीघ्रता से नष्ट होने वाली वस्तु हैं तब मजिस्ट्रेट ऐसे वस्तु की बिक्री तुरंत करवा सकता है। अगर दोनों में से एक पक्षकार भूमि संबंधित प्रमाण नहीं दे पाते तब मजिस्ट्रेट दूसरे पक्षकार को भूमि का कब्जाधारी मानेगा।

नोट- यहाँ पर सिर्फ कार्यपालक मजिस्ट्रेट उसी भूमि या जल के विवादों का निपटारा करेगा जिस पर वर्तमान समय में किसी दबंग व्यक्ति का अवैध कब्जा है एवं वह भूमि को छोड़ नहीं रहा है, लेकिन अगर कोई अधिकार संबंधित भूमि विवाद होगा तो ऐसे व्यक्ति को सिविल न्यायालय में अपील प्रस्तुत करनी होगी। न की SDM या DM न्यायालय में।

- लेखक बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दिया लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन का शगुन

- **राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए निरंतर है सक्रिय**
- **प्रत्येक लाड़ली बहना को 250 रुपए राखी का शगुन मिलाकर मिले 1500 रूपए**
- **रक्षाबंधन से पहले प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को मिली 1859 करोड़ की बड़ी सौगात**
- **उज्जवला योजना में 28 लाख से अधिक बहनों को 43.90 करोड़ सहायता राशि का अंतरण**
- **अब तक लाड़ली बहनों को वितरित हुये 41 हजार करोड़ रूपये**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है, जो सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करता है। रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि नारी गरिमा और सामाजिक सुरक्षा का भी संदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि हर रिश्ता परिभाषित और पूज्यनीय होता है। उन्होंने द्रौपदी और श्रीकृष्ण की रक्षाबंधन कथा का उल्लेख करते हुए इसे भाई-बहन के रिश्ते की शक्ति का प्रतीक बताया, जहाँ श्रीकृष्ण ने जीवनभर द्रौपदी की रक्षा का संकल्प निभाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिये निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 89 हजार लाड़ली बहनों के खातों में 1,859 करोड़ रुपए अंतरित किये। साथ ही उज्जवला योजना के अंतर्गत 28 लाख से अधिक बहनों को 43.90 करोड़ सहायता राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण भी किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और कन्या-पूजन कर किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हजारों साल से भारतीय कुटुम्ब परंपरा में सभी रिश्तों का महत्व है। भांजी का विवाह करना, बेटी का विवाह करने से बढ़कर माना गया है। भारतीय संस्कृति में भांजे-भांजियों को अपने बच्चों से बढ़कर माना जाता है। बहनों की राखी और आशीर्वाद से शक्ति मिलती है। भारतीय संस्कृति में भाइयों ने सदैव बहनों की रक्षा की जैसे महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व से देश में आतंकी घटनाएं बंद हो गई हैं। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर दुश्मन को खत्म किया है। भाई अपनी जान की परवाह किए बिना बहन के सिंदूर की रक्षा करते हैं। बहनों का सुहाग उजाड़ने वालों को सबक सिखाया।

Crime law -लावारिस संपत्ति पर दो पक्ष अधिकार जता रहे हों तो SDM क्या करेगा

कई बार ऐसे खेत, प्लॉट, मकान, दुकान, कुआं अथवा तालाब आदि पर दो ऐसे पक्षों द्वारा अधिकार जताया जाता है जिनके पास उस संपत्ति के स्वामित्व से संबंधित कोई पुख्ता दस्तावेज नहीं होता। संपत्ति के स्वामी की मृत्यु हो चुकी होती है। वह किसी दूसरे शहर में होता है या फिर सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज उसका पता बदल जाता है और उसे विवाद की सूचना नहीं मिल पाती। ऐसी स्थिति में विवाद का निपटारा कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा नहीं किया जाता बल्कि सक्षम न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया जाता है लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं होता कि कार्यपालक मजिस्ट्रेट विवादित संपत्ति को लावारिस छोड़ देगा अथवा दोनों में से जो शक्तिशाली होगा वह कब्जा करके रख सकता है बल्कि ऐसी स्थिति में कार्यपालक मजिस्ट्रेट सीआरपीसी की धारा 146 के तहत कार्रवाई करेगा।

Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita,2023, की धारा 165 की परिभाषा: अगर कार्यपालक मजिस्ट्रेट (SDM) द्वारा किसी भूमि या जलस्त्रोत संबंधित विवादित या अवैध कब्जा वाली संपत्ति निपटारा नहीं हो पा रहा है अर्थात पता नही चल पा रहा है कि वास्तव में वर्तमान में संपत्ति किस व्यक्ति की है, तब मजिस्ट्रेट ऐसी संपत्ति को तब तक के लिए कुर्क (जब्त) कर लेगा जब तक की सिविल न्यायालय द्वारा कोई आदेश जारी नहीं होगा कि वास्तविक संपत्ति पर अधिकार किसका है।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट ऐसी विवादित भूमि, जलस्त्रोत संबंधित जब्त की गई संपत्ति की देख-रेख के लिए एक रिसीवर अधिकारी नियुक्त कर सकता है, लेकिन यदि सिविल न्यायालय द्वारा भी संपत्ति की सुरक्षा के लिए रिसीवर अधिकारी की नियुक्ति हो जाती है तब भी कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा रिसीवर अधिकारी को कर्तव्य से मुक्त कर दिया जाएगा। रिसीवर अधिकारी वह होता है जो न्यायालय द्वारा जब्त की गई किसी भी प्रकार की विवादित संपत्ति की देख-रेख करता है उसका संरक्षण या सुरक्षा करता है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए रिलायंस शहडोल (डीएफए) की टीम से 7 खिलाड़ियों को चयन

संभागीय संवाददाता -राजू राय
शहडोल संभाग

गुवाहाटी (असम) में राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेंगी। रोशनी परस्ते, मोनिका सिंह, प्रीती सिंह, गुंजन देवी, दिव्या संत, संध्या सहिस, चांदनी यादव, रोशनी परस्ते, ने पूरी प्रतियोगिता में 11 गोल करके बेस्ट प्लेयर का खिताब जीता है । मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन खेल युवक कल्याण विभाग इंदौर एवं मऊ के संयुक्त तत्वावधान में 28 से 3 अगस्त 2025 तक महू (इंदौर)में आयोजित सब जूनियर बालिका इंटर डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल प्रतियोगिता मे पूरे मध्य प्रदेश से कई फुटबॉल टीमो ने हिस्सा लिया जिसमें पहली बार सब जूनियर बालिका रिलायंस शहडोल (डीएफए) की टीम ने भाग लिया और फाइनल में खेला फाइनल में मंडला जिले से तीन- दो से हार गई अच्छे खेल के प्रदर्शन पर सात खिलाड़ियों का मध्य प्रदेश टीम में चयन किया गया है, उत्कृष्ट खेल के प्रदर्शन कर लौट रही खिलाड़ियों एवं कोच का कलेक्टर सभागार में, कलेक्टर शहडोल केदार सिंह (आईएएस) मुख्य कार्यपद अधिकारी शहडोल सौम्या आनंद (आईएएस) एसडीएम सोहागपुर अरविंद शाह (आईएएस) एसडीएम जैसीनगनगर काजोल सिंह (आईएएस) सहायक संचालक खेल (एनआईएस) फुटबॉल कोच रईस अहमद ,महिला समिति की अध्यक्ष शहडोल संगीता दुबे ,रिलायंस फाऊंडेशन शहडोल से डॉक्टर समीम एवं उनकी पूरी टीम ने खिलाड़ियों को फूल माला, बुके एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया ।

इस अवसर पर उपस्थित थे बालिका फुटबॉल टीम के कोच सीताराम सहिस, आंचल केवट,राजू बैगा विचारपुर फुटबॉल मैदान से राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी एवं कोच अनिल सिंह ,लक्ष्मी सहिस, शंकर दहिया उपस्थित थे। मध्य प्रदेश फुटबॉल टीम का प्री नेशनल कोचिंग कैंप महू,(इंदौर) में 5 से 13 अगस्त 2025 तक चलेगा, राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता गुवाहाटी (असम)में 21 से 25 अगस्त 2025 तक आयोजित की जाएगी, इस उपलब्धि पर रिलायंस सीबीएस प्रोजेक्ट साइड हेड राजेश वर्मा ,नॉन टेक्निकल साइट के हेड मनीष वर्मा, रिलायंस सीबीएम, सीएसआर हेड राजीव श्रीवास्तव ,संपूर्ण सीएसआर टीम एवं सभी फुटबॉल सेंटर के कोच ने उत्कर्ष खेल के लौट रही खिलाड़ियों एवं कोच को बधाई दी है।

हर घर तिरंगा,हर घर स्वच्छता के संदेश के साथस्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संगअभियान

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता – स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान तीन चरणों में चलाया जायेगा। प्रथम चरण में 2 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएँ आयोजित की जाएंगी। साथ ही तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा

रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन आदि गतिविधियां संचालित होंगी। अभियान के द्वितीय चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे की दृश्यता के लिये कार्य किये जायेंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा केसर्ट, तिरंगा बाइक/तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे। अभियान के तृतीय चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों तथा वाहनों पर तिरंगा लगाने, सेल्फ़ी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जायेगा। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम किये जायेंगे। केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलने वाले इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है, जिसमें स्वतंत्रता के सार को स्वच्छता और सुजलता के संकल्प के साथ जोड़ा गया है। इस प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित जल आपूर्ति, प्रभावी जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य'' और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने से प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को बल मिलेगा। अभियान में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-जी) और जल-जीवन मिशन के अंतर्गत गांवों, ग्राम पंचायतों में विविध गतिविधियाँ होंगी, जिनमें स्वच्छ सुजल गांव प्रतिज्ञाएं, सामुदायिक सफाई अभियान, परिसंपत्तियों की सफाई, जागरूकता गतिविधियां, जल-संरक्षण और 15 अगस्त 2025 को अमृत सरोवर, सार्वजनिक स्थानों आदि सहित प्रमुख वाश अवसंरचना स्थलों पर ध्वजारोहण समारोह शामिल है। यह प्रतीकात्मक कार्य सुरक्षित जल और स्वच्छता तक पहुंच द्वारा लाई गई स्वतंत्रता, गरिमा और कल्याण को दर्शाता है। अभियान में ज़िलों, ब्लॉकों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इसमें स्थानीय संस्थाओं, ग्राम जल सेवा समितियों, स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, साथ ही स्कूली बच्चों, स्वयं-सेवकों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को इस अभियान का नेतृत्व करने और इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जायेगा। अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने समस्त संभागायुक्त, कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों को निर्देश जारी किए हैं।

वैज्ञानिकों ने क्रांतिकारी सफलता हासिल करते हुए इको-बैटरी विकसित की

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने टिकाऊ तकनीक में एक उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, उन्होंने पेड़ों के गूदे और ज़िंक के घटकों का उपयोग करके एक पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल बैटरी बनाई है। यह अभिनव ऊर्जा स्रोत पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा समाधान प्रदान करता है। ये अभूतपूर्व बैटरियाँ प्रभावशाली पर्यावरणीय विश्वसनीयता प्रदर्शित करती हैं, जो कुछ ही महीनों में मिट्टी में प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाती हैं और कोई हानिकारक रसायन या विषाक्त अवशेष नहीं छोड़तीं। यह स्वच्छ अपघटन प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी की सबसे गंभीर

पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक का समाधान करती है।इस हरित तकनीक के अनुप्रयोग विशिष्ट क्षेत्रों में विशेष रूप से आशाजनक हैं। चिकित्सा प्रत्यारोपण, पहनने योग्य तकनीक और पर्यावरण निगरानी सेंसर, सभी इन स्थायी ऊर्जा स्रोतों से लाभान्वित हो सकते हैं। अल्पकालिक इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करके, ये बैटरियाँ दुनिया में बढ़ती इलेक्ट्रॉनिक कचरे की समस्या से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस नवाचार की ख़ासियत इसकी संपूर्ण जीवनचक्र स्थिरता है। बैटरियों के निर्माण में नवीकरणीय सामग्रियों का उपयोग किया जाता है, मिट्टी में मिलने पर ये पूरी तरह से घुल जाती हैं, और अपघटन के दौरान बिल्कुल भी विषाक्त अपशिष्ट उत्पन्न नहीं करतीं। यह वास्तव में टिकाऊ इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नवाचार ऊर्जा भंडारण के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है, तथा यह साबित करता है कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी और तकनीकी उन्नति एक साथ काम कर सकती है।

भालूमाड़ा काली मंदिर घोटालाः आस्था की लूट पर SECL प्रबंधन और यूनियनों की संगठित चुप्पी

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

जमुना कोतमा भालूमाड़ा भालूमाड़ा काली मंदिर में 18 लाख रुपये के सौंदर्यीकरण के नाम पर हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होने के बाद मंदिर परिसर में पसरा सन्नाटा किसी श्रद्धा की शांति का प्रतीक नहीं, बल्कि व्यवस्था के गहरे सड़ांध की गूंज है यह सन्नाटा उस संगठित अपराध पर डाले गए कंबल की तरह है, जिसके नीचे आस्था को जेसीबी से रौंदा गया, और ईमानदारी को सीमेंट में मिला दिया गया सबसे भयावह यह है कि इस लूट के खुलासे के बावजूद न तो एसईसीएल जमुना-कोतमा प्रबंधन की आंखें खुलीं और न ही श्रम संघों के मुंह एक ओर प्रबंधन बेशर्मी से चुप है, तो दूसरी ओर मजदूरों के तथाकथित मसीहा बने यूनियन नेता किसी बिल में घुसे बैठे हैं क्या यह चुप्पी सिर्फ डर है या साझा भागीदारी का संकेत

प्रबंधन मस्त, यूनियनें पस्त, श्रमिक त्रस्तः जिन अधिकारियों को श्रमिकों की खून-पसीने से कमाई गई तनख्वाह मिलती है, वही आज उनकी आस्था के मंदिर में हुए भ्रष्टाचार पर आंखें मूंदे बैठे हैं सिविल विभाग के एसओ पी.के. द्विवेदी और ओवरसीयर अमित उपाध्याय इस घोटाले के केंद्र में हैं — जिन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी कुर्सी का सौदा ठेकेदार की बोली पर कर लिया लेकिन सबसे बड़ा धोखा वे यूनियनें दे रही हैं, जो सालों से मजदूरों से चंदे के नाम पर धन वसूलती आई हैं आज जब उनकी आस्था के प्रतीक मंदिर में लूट का घिनौना खेल खेला जा रहा है, तब ये सभी 'नेता' गूंगे दर्शक बन गए हैं क्या इन्हें अब सिर्फ बोनस और प्रमोशन की दलाली से मतलब है क्या मजदूरों के विश्वास और उनके पैसों की बर्बादी इनके लिए कोई मुद्दा नहीं है

घोटाला नहीं, आस्था पर सर्जिकल स्ट्राइकः इस पूरे मामले को केवल निर्माण में गड़बड़ी कहकर छोड़ा नहीं जा सकता — भालूमाड़ा काली मंदिर में 18 की लागत से हुआ सौंदर्यीकरण असल में भ्रष्टाचार का खूबसूरत मुखौटा था, जिसके पीछे छिपी थी रिश्तेदारी की खुली लूट और संवेदना की हत्या ठेका मिला रवि तिवारी को, लेकिन साइट पर नज़र आए उनके साले शारदा मिश्रा — यह ठेका प्रक्रिया नहीं, पारिवारिक मेहंदी की मंडली थी, जिसमें आस्था की जमीन पर घोटाले का फेरा रचा गया परिक्रमा का चबूतरा नया-नवेला था, लेकिन हवा के हल्के झोंके से ऐसे बिखर गया जैसे सीमेंट की जगह अफसरों की बेशर्मी और ठेकेदारों की लालच घोली गई हो और जो हरियाली दिखाई गई, उसका सच और भी शर्मनाक है — पौधों को मिट्टी नहीं मिली, उन्हें रोपा गया ईंटों की दरारों में, पत्थरों के टुकड़ों पर, मलबे की कब्र में यह पौधरोपण नहीं, योजनाबद्ध पौधहत्या है — एक ऐसी हरियाली जो सिर्फ कैमरे के फ्लैश में ज़िंदा थी और हकीकत में दम तोड़ चुकी थी छत से पानी टपका तो नई छत सुधारने की जगह पुरानी टीन ठोंक दी गई — यह कोई मरम्मत नहीं, भ्रष्टाचार पर मढ़ी गई टीन की चादर थी यह सब सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि आस्था पर घात, भावनाओं की कब्र और सिस्टम की खुली चीरफाड़ है — जिसमें ईंट-पत्थर भी अब चिल्ला-चिल्ला कर पूछ रहे हैं- हमें किस गुनाह की सज़ा मिली

अब सिर्फ जांच नहीं, जवाबदेही चाहिएः ठेकेदार का यह बयान कि अभी तो सिर्फ 50% भुगतान हुआ है, अपने आप में एक अघोषित कबूलनामा है क्या इसका अर्थ यह निकाला जाए कि अगर 100% पैसा मिल जाता, तो मंदिर की नींव में रेत भर दी जाती और जब अधिकारी यह कहते हैं कि एस्टीमेट घर पर है, तो यह स्पष्ट होता है कि ये सिस्टम को अपनी व्यक्तिगत डायरी समझ बैठे हैं

यह चेतावनी है — अंतिम मौका भीः एसईसीएल के वरिष्ठ प्रबंधन क्षेत्र के लोकप्रिय महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के पास अब भी मौका है — यदि वे इस प्रकरण में पी.के. द्विवेदी और अमित उपाध्याय जैसे अधिकारियों पर तत्काल निलंबन और स्वतंत्र, उच्च स्तरीय जांच की घोषणा नहीं करते, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह चुप्पी मात्र सहमति नहीं, साझेदारी की स्वीकृति है और लोकप्रिय महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी द्वारा अगर जांच कराई जाती है तो कई चौंकाने वाले तत्व सामने आएंगे

मंदिर नहीं, भ्रष्ट तंत्र का स्मारक बनता भालूमाड़ाः यह अब सिर्फ एक मंदिर के निर्माण का मामला नहीं रह गया है यह उस सड़े हुए ढांचे की पहचान है, जिसमें आस्था, ईमानदारी और श्रमिकों का विश्वास — सबकुछ टेंडर और कमीशन के बीच कुचला जा रहा है यदि अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो भालूमाड़ा का यह काली मंदिर श्रद्धा का केंद्र नहीं, भ्रष्टाचार का स्मारक बन जाएगा — एक ऐसा प्रतीक जहां भगवान भी ठेके पर बिक जाते हैं, और मजदूरों की आस्था, अधिकारियों की फाइलों में दफन हो जाती है

इनका कहना है

हां ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता अभियान कार्य जा रहा था लेकिन जब हमें पता चला तो हमने जाकर रोका है और उसको फटकार लगाइए और कहा है कि आप काम सही करिए तो वह मिट्टी डालकर पौधा लगा रहा है रही बात पुराने सेट की तो हम लोग एस्टीमेट में लेना भूल गए थे लेकिन उसे भी लेकर जल्द ही सुधर जाएगा

अमित उपाध्याय ओवरसीयर कोतमा गोविंद क्षेत्रः ठेकेदार जब तक पूरा सही काम नहीं करेगा तब तक उसका भुगतान नहीं किया जाएगा हमने उसे चिट्ठी जारी किया है

पीके द्विवेदी

इस ओ सिविल एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्रः मुझे तो जानकारी भी नहीं है कि कहां पर काली मंदिर में काम हो रहा है और कौन ठेकेदार काम कर रहा है लेकिन अगर काम सही नहीं कर रहा है तो मैं स्वयं जाऊंगा और उसकी जांच करुंगा और इसकी लिखित शिकायत महाप्रबंधक से करके सही काम कराया जाएगा

रोशन उपाध्याय महामंत्री
भारतीय मजदूर संघ बीएमएस

यह काम बिलों में लिया गया है बताइए कहां पर काम गड़बड़ी है तो उसे हम सुधारे

रवि तिवारी सिविल कांट्रेक्टर
काली मंदिर जमुना कोतमा क्षेत्र

नर्मदा नदी के पुल की रैलिंग टूटने के कारण कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

पत्रकार आशीष राजपूत बुधनी। बुधनी विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत नादनेर - ढाने (नसीराबाद)नर्मदापुरम के नर्मदा नदी पर बने ब्रिज की साइड की रैलिंग बाढ़ के पानी के कारण टूट गई है जिसका रेनोवेशन अभी मार्च - अप्रैल मे हुआ था। पुल की रैलिंग टूटने से बड़ा हादसा हो सकता है लेकिन अभी तक शासन प्रशासन ने इसकी और अभी तक ध्यान नही दिया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डा कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं सहित महाविद्यालयीन स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी में मातृ-दूध के महत्व, नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव तथा स्तनपान से जुड़ी सामाजिक जागरूकता पर विचार-विमर्श किया गया, स्तनपान शिशु के संपूर्ण विकास में सहायक है और माताओं के लिए भी स्वास्थ्यवर्धक होता है। संगोष्ठी का संचालन श्री शिवाकांत मौर्य ने किया सभी तथा सभी प्राध्यापकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में आभार प्रदर्शन श्री राजदीप भदोरिया ने किया।

धार्मिक आधार पर बालिकाओं से शोषण बर्दाश्त नहीं स्कूल-कॉलेजों के आसपास लगातार हो पेट्रोलिंग

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय से प्रदेश के सभी जोनल एडीजी आईजी, पुलिस आयुक्त भोपाल, इंदौर तथा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महिला सुरक्षा संबंधी कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।डीजीपी ने कहा कि पुलिस गर्ल्स स्कूल और कॉलेजों के आसपास नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करें ताकि छेड़खानी की घटनाऐं न हों। धार्मिक आधार पर बालिकाओं का शोषण न हो, इसके लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए।

शैक्षणिक संस्थानों के आसपास अनावश्यक रूप से मौजूद रहने वाले मजनूं किस्म के लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। महिला सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक गर्ल्स होस्टल और वर्किंग वुमन होस्टल से समन्वय के लिए बीट अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाऐं। किसी भी प्रारंभिक शिकायत को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करें। डीजीपी ने ड्रग माफियाओं के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिस जोश और समर्पण के साथ नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता अभियान संचालित किया गया, उसी तरह ड्रग माफियाओं के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। इसके लिए अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ड्रग्स के हॉट स्पॉट और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर सुनियोजित तरीके से अभियान चलाकर ड्रग माफिया के नेटवर्क को पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने अवयस्क बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई कर उन्हें शीघ्र बरामद करने के निर्देश भी दिए। आवेदकों की समस्याओं का समाधान उनकी संतुष्टि के अनुसार किया जाए। डीजीपी ने अधिकारियों को अपने अधीनस्थ स्टाफ की समीक्षा करने तथा अतिरिक्त या अटैच स्टाफ को उनकी मूल पुलिस थानों में वापस भेजने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कर्मचारियों का नियमानुसार रोटेशन सुनिश्चित करने को कहा। विशेष रूप से उन वाहन चालकों का रोटेशन किया जाए, जो लंबे समय से एक ही अधिकारी के साथ या थानों पर कार्यरत हैं। बैठक के दौरान विशेष पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा एवं लेखा और कल्याण शाखा अनिल कुमार ने ऑपरेशन मुस्कान, ऑपरेशन हेल्पिंग हैंड तथा महिला अपराधों से संबंधित विवेचना की कमियों, सुधार, डीएसआर की समीक्षा भी की और फील्ड अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एनएसयूआई द्वारा उदयपुरा में युवा एवं छात्र संवाद का आयोजन, प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने उठाई छात्रों के हक की आवाज।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा (रायसेन)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) जिला रायसेन द्वारा आज उदयपुरा के श्री उदय श्री पैलेस में युवा एवं छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संगठन से जोड़ना तथा छात्रों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं और विचारों को समझना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष श्री आशुतोष चौकसे ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रदेश सरकार जिस प्रकार युवाओं और छात्रों के साथ धोखा कर रही है, उसके खिलाफ हमें संगठित होकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने युवाओं को एनएसयूआई के साथ जुड़ने और छात्रों के हक के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। वरिष्ठ समाजसेवी एवं यूरो सर्जन डॉ. देवेंद्र धाकड़ ने कहा, हम हर युवा और छात्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनकी समस्याओं को समाधान तक पहुंचाना ही हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रमुख रूप से उपस्थित जनों में शामिल थे। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष श्री आशुतोष चौकसे, वरिष्ठ यूरो सर्जन डॉ. देवेंद्र धाकड़, प्रदेश महासचिव कवेंद्र सिंह रघुवंशी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन सोलंकी, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष परेश नगर, युवा नेता ज्ञानेंद्र राजपूत, ब्रजकिशोर, श्रीराम रघुवंशी, राजेंद्र रघुवंशी, अमित रघुवंशी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष विदुषी शर्मा, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय रघुवंशी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम चौहान, पूर्व एनएसयूआई

जिला अध्यक्ष अभिषेक चौहान, करणी सेवा जिला अध्यक्ष अंकुश रघुवंशी, दुर्गेश पांडे, पंकज राय, आयुषी दुबे, तनु शर्मा, पुरुषोत्तम रघुवंशी, अनुराग रघुवंशी, नितेश अवस्थी, लाल महेश्वरी, राहुल रघुवंशी, सूरज रघुवंशी, सचिन लोधी, अमित मेहरा, आयुष रघुवंशी, मोहित राय, रोहित शर्मा, अभिषेक धाकड़, प्रियांशु चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता।

बादल फटने की घटनाएं क्यों होती हैं, बादल फटना एक प्राकृतिक घटना इसे समझिए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

प्रतीकात्मक चित्र

बादल फटने की घटना कितनी हृदय विदारक हो सकती है, लोगों ने देखा उत्तरकाशी में जल प्रलय का भयानक वीडियो। बादल फटने पर किस तरह पानी का सैलाब पहाड़ों से आया। होटल-घर कैसे ताश के पत्तों की तरह बिखर गए। दरअसल बादल आकाश में तैरते हुए दिखाई देने वाले पानी के कण या बर्फ होते हैं। जब भाप या वाष्प बनकर पानी के काफी छोटे-छोटे कण वायुमंडल के ऊपरी सतह पर पहुंचकर ठंडी हवाओं के साथ मिलते हैं तो ये बादल कहलाते हैं। ये तो हुई बात बादल की। अब आगे जानते हैं आखिर बादल फटना क्या होता है।जब किसी छोटे से इलाके में बहुत कम समय में बहुत ज्यादा बारिश होती है तो आमतौर पर इसे हम बादल फटना कहते हैं। इसमें बादल फटने जैसा कुछ नहीं होता। हां, बारिश इतनी तेज गति से होती है कि जैसे ज्यादा पानी से भरी हुई एक बहुत बड़ी पॉलिथीन आसमान में फट गई हो। इसलिए इसे हिंदी में बादल फटना और अंग्रेजी में क्लाउडबर्स्ट के नाम से जाना जाता है। मौसम विभाग के मुताबिक जब अचानक 20 से 30 वर्ग किलोमीटर के इलाके में एक घंटे या उससे कम समय में 100 एमएम या उससे ज्यादा बारिश हो जाए तो इसे बादल फटना कहते हैं।

अमझोर हायर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य द्वार पर बज बजा रही गंदगी.... कहां है स्वच्छता अभियान, कहां है जिम्मेदार जनप्रतिनिधि।

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/अमझोर - एक समय था ,जब शिक्षा, खेलकूद के क्षेत्र में अमझोर का नाम अग्रणी था , शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमझोर से अच्छे इंजीनियर ,डॉक्टर, अधिवक्ता ,चार्टर्ड अकाउंटेंट, पुलिस विभाग की कई महान विभूतियां अच्छे-अच्छे पदों पर लोग अपनी सेवाएं दे रहे है, इसी स्कूल के प्रांगण से अच्छे खिलाड़ी भी निकल कर खेल के क्षेत्र में अपना नाम रोशन किया है परंतु आज अमझोर के इसी स्कूल की दुर्दशा देखते ही बनती है ।

सुबह बच्चे शिक्षा के इस मंदिर में सभी बच्चे नहा धोकर स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने आते हैं , स्कूल में प्रवेश करने से पहले गंदगी के अंबार से होकर स्कूल में बच्चों को प्रवेश करना पड़ता है। पिछले कुछ वर्ष पूर्व कलेक्टर महोदया वंदना वैद्य जी ने तो स्कूल प्रांगण के मुख्य द्वार पर साफ सफाई करवाई थी कुछ दिनों तक सब ठीक-ठाक था, लोगों को भी साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिए । स्कूल प्रांगण से कुछ दूरी पर बस स्टैंड और व्यापारी वर्ग अपनी दुकान चलाते हैं सोमवार को बाजार लगने के कारण लोग बची कूची सब्जियां ,प्लास्टिक, थर्माकोल को उठाकर अनुपयोगी चीजों को स्कूल के मुख्य द्वार पर फेंकना आसान दिखता है। बस से उतरकर आने जाने वाले राहगीरों को शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण पेशाब घर स्कूल का मुख्य द्वार सभी के लिए खुला होता है यह सामान्य जन के लिए मजबूरी का सबब है , आम जनमानस के अलावा भी महिलाएं भी इसी जिंदगी का हिस्सा बनने के लिए मजबूर हो जाती है।

वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण लोगों की मजबूरी हो जाती है और स्कूल प्रांगण इन सभी समस्याओं का निदान सुलभ होने के कारण शौचालय के रूप में इस्तेमाल करना आसान दिखता है। कहां है हमारे जन प्रतिनिधि किसी का भी इस ओर ध्यान नहीं जाता शासन प्रशासन स्वच्छता मिशन के तहत कई दावे करती है, इसी की मिसाल अमझोर स्कूल सेकेंडरी का मुख्य द्वार इसका प्रत्यक्ष साक्षी है अब देखना यह है कि साफ सफाई के लिए कौन कौन से कदम उठाए जाते हैं। यह हम सब की जिम्मेदारी है कि स्कूल प्रांगण को एक स्वच्छ साफ सुथरी व्यवस्था करते हुए शिक्षा के मंदिर के रूप में तब्दील करें। साफ सफाई के साथ लोगों की मानसिकता में भी बदलाव होना आवश्यक है जिससे हम एक स्वच्छ साफ सुथरी व्यवस्था को कायम कर सकें।

छात्रों के शांतिपूर्ण धरने ने प्रशासन को किया संवाद के लिए मजबूर।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। शासकीय डॉ. अंबेडकर पोस्ट मैट्रिक छात्रावास, भोपाल के छात्रों द्वारा छात्रावास परिसर की रक्षा एवं 6 सूत्रीय मांगों को लेकर आज एक शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया गया। यह आंदोलन लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा और अनसुनी मांगों के खिलाफ छात्रों की एकजुटता और संकल्प का परिणाम है। बीते कुछ महीनों में छात्र बार-बार अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय, कमिश्नर कार्यालय और शासन के मंत्रियों तक अपनी बात पहुँचा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया था। आज के शांतिपूर्ण धरने के माध्यम से छात्रों ने एक बार फिर अपनी आवाज बुलंद की, जिसकी गूंज प्रशासन तक पहुँची। धरने की सूचना मिलते ही भोपाल के एसडीएम, जिला प्रशासन और आदिम जाति कल्याण विभाग के अपर आयुक्त (डिप्टी कमिश्नर) मौके पर पहुंचे और छात्रों से संवाद स्थापित किया। प्रशासन ने छात्रों को आश्वस्त किया कि एक बार पुनः जांच समिति गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा अगस्त माह के अंत तक समाधान प्रस्तुत किया जाएगा। छात्रों ने प्रशासन के आश्वासन को गंभीरता से लिया है, किंतु स्पष्ट कर दिया है कि यदि दिनांक 20 अगस्त 2025 तक उनकी मांगों पर ठोस कार्यवाही नहीं होती है, तो वे विवश होकर और अधिक व्यापक स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। यह आंदोलन न केवल छात्रों की समस्याओं का समाधान है, बल्कि यह छात्र आवाज़ की ताकत और एकता का प्रतीक भी है।

विकसित भारत 2047 और कानून

हम अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे सोचिए जब भारत 15 अगस्त 2047 को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति नहीं होगी, बल्कि एक ऐसा राष्ट्र होगा जहाँ कानून सभी के लिए सुलभ, न्यायसंगत और उत्तरदायी हो। विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब हमारा विधिक ढांचा समय के साथ चले, और नागरिकों को सशक्त बनाए। स्वतन्त्रता के पश्चात भारत ने संविधान के माध्यम से एक लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखी। लेकिन आज के दौर में आवश्यकता है कि हम अपने कानूनों को आमजन के अनुकूल बनाएं। कानून सरल हों, स्थानीय भाषाओं में हों, और न्याय प्रक्रिया में देरी न हो। न्यायालयों में लंबित मुकदमे की करोड़ों की संख्या उस भारत के विकास में बाधक हैं, जिसे हम 2047 तक विकसित होना देखना चाहते हैं, तब यह भी आशा की जा सकती है कि न्याय दान के तरीके में और भी परिवर्तन देखने को मिलेगा, जैसे न्याय आपके द्वार की संकल्पना भी फलीभूत हो सकती है, न्याय सबकी पहुंच में रहेगा क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने न्याय तक पहुंच को भी विधिक सहायता माना है । साथ ही, डिजिटल युग में हमें साइबर अपराध, डेटा संरक्षण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में नए कानूनों की आवश्यकता है। वहीं दूसरी ओर, हाशिए पर खड़े समाज के वर्गों के लिए समता का अवसर

और समान विधिक संरक्षण सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। हमारी नियोजन में आरक्षण से संबंधित विधियों में कमियों का दूर होना भी जरूरी है। कानून केवल दंड का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और नागरिक सहभागिता का पुल होना चाहिए। जिसका उदाहरण 100-150 वर्षों पुराने कानूनों को बदला गया वह इसी बात का द्योतक है। वैसे तो सभ्य समाज में अपराध और विवाद को स्थान होना ही नहीं चाहिए, परन्तु सिक्के के दो पहलू होते हैं। इस स्वतंत्रता दिवस पर, हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम न केवल तकनीक, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में विकसित बनें, बल्कि न्याय, समानता और विधिक जागरूकता में भी विश्व के लिए आदर्श प्रस्तुत करें। आर्थिक व्यवस्था में भागीदारी स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करने से हो सकती है। 2047 का भारत एक ऐसा भारत हो जहाँ कानून डर नहीं, भरोसे का नाम हो।

चलो मिलकर प्रण यह करें, भारत को विकसित हम सब करें।

2047 जब आये पास, तो हो सपनों का भारत खास।

धन्यवाद

लेखक - डा महेंद्र कुमार पटेल
सहायक प्राध्यापक (विधि)
शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम

जय हिन्द जय भारत।

लाड़ली बहना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री ने किया राशि का अंतरण

राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में आयोजित मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखने एवं सुनने जिले में की गई थी व्यवस्था

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में राज्य स्तरीय ''बहनों के साथ रक्षाबंधन उत्सव'' कार्यक्रम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और गैस सिलेंडर रिफिलिंग योजना की अनुदान राशि का हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया।

इस कार्यक्रम को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष सहित जिले के जनपद व नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में देखने एवं सुनने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगणों के साथ ही बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे। जिला स्तर पर

कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती किरण चौधरी एवं सुश्री भारती केवट, आत्मा गवर्निंग बोर्ड की सदस्य श्रीमती रश्मि खरे, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा सहित लाडली बहनें एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राही उपस्थित थे। मुख्यमंत्री जी ने सिंगल क्लिक के माध्यम से अनूपपुर जिले के 01 लाख 26 हजार लाड़ली बहनों के खातों में तथा गैस सिलेण्डर रिफिलिंग योजना के लिए जिले के लाड़ली बहनों के खातों में एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत जिले के हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम से लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के एक करोड़ 28 लाख से अधिक बहनों के बैंक खातों में 1859 करोड़ की राशि, 28 लाख से अधिक बहनों को उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिलिंग की 43 करोड़ 90 लाख की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लाडली बहनों के बैंक खातों में 250 रुपए की राशि रक्षाबंधन के शगुन के तौर पर अंतरित की।

हर घर तिरंगा,हर घर स्वच्छता अभियान से नागरिक कर्तव्यों की भावना को सुदृढता प्रदान करें : जिपं सीईओ

हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में जिपं सीईओ ने बैठक लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग विषय पर आधारित अभियान 8 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिले में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के दिशा निर्देशानुसार अभियान का बेहतर क्रियान्वयन जिले में सुनिश्चित किया जाए उक्ताशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने अभियान के तहत विभिन्न दायित्वों के नोडल अधिकारियों की बैठक में दिए। बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित नोडल अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बैठक में कहा कि अभियान सामूहिक उत्सव और नागरिक कर्तव्यों की भावना को सुदृढ करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिससे स्वच्छ और सुजल गांव की अवधारणा (स्वच्छता और जल सुरक्षा) को स्वतंत्रता की भावना से जोड़ते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रभावी (वास वॉटर, सैनिटेशन एंड हाइजीन) की संकल्पना को आगे बढ़ाया जाएगा ताकि सतत सुरक्षित जल आपूर्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वच्छता को सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांवो/ ग्राम पंचायतो में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाए स्वच्छ सुजल गांव संकल्प, सामुदायिक साफ-सफाई अभियान वास परिसंपत्तियों की सफाई, जन जागरूकता गतिविधियां एवं जल संरक्षण गतिविधियां की जाए, अभियान का समापन 15 अगस्त 2025 को प्रमुख वास स्थलों (जैसे अमृत सरोवर सार्वजनिक स्थल आदि) पर ध्वजारोहण समारोह के साथ किया जाए यह प्रतीकात्मक गतिविधियां स्वतंत्रता, गरिमा और समृद्धि को दर्शाएगी जो सुरक्षित जल और स्वच्छता की उपलब्धता से प्राप्त होती है।

दमोह जिला में मशरूम जागरूकता अभियान की विधिवत शुरूआत

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

दमोह - हमारे द्वारा वर्ष 2022से मशरूम कि खेती एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने हेतु शुरू किए गए जागरुक अभियान के तहत माननीय कलेक्टर महोदय श्री सुधरी कोचर जी ने अपने सहज स्वभाव का परिचय देते हुए मशरूम के महत्व एवं हमारे उद्देश्यों की अभिनव पहल को समझते हुए देश प्रदेश एवं जिले के आम जन के हितार्थ मशरूम की खेती एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने हेतु नए स्टार्टअप के रूप में शुरुआत करने के लिए कृषि उपसंचालक श्री जी एल अहिरवार जी को निर्देशित कर अपनी ओर से पूर्ण सहयोग का अवश्वासन दिया जिसमें कृषि अधिकारी अहिरवार जी ने भी इस अभियान के प्रति अपना उत्साह दिखाया और हमारे इस अभियान कोआगे बढ़ाने मे श्री मान मनोज अहिरवार जी कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख दमोह द्वारा हमें वर्ष 2022से ही हमारा पूर्ण सहयोग एवं उत्साह वर्धन किया जा रहा है इसके लिए हम माननीय श्री सुधरी कोचर जी कलेक्टर महोदय एवं दमोह जिले के सभी सहयोगी अधिकारियों का हम सहृदय कोटिश आभार व्यक्त करते हैं।

रक्षाबंधन पर्व 09 अगस्त को जिला जेल के बंदियों को बहनें बांध सकेगी राखी

जेल प्रशासन ने मुलाकात के संबंध में जारी की गाईडलाईन

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिला जेल अनूपपुर में 09 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर भाई-बहनों के खुली मुलाकात हेतु दिशानिर्देश जारी किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला जेल के उप जेल अधीक्षक श्री इन्द्रदेव तिवारी ने बताया है कि जिला जेल में मुलाकात हेतु परिजनों के नाम प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक लिखे जाएंगे, इसके पश्चात् मुलाकात हेतु अनुरोध स्वीकार नही किया जाएगा। उन्होंने मुलाकात हेतु आई बहनों से अनुरोध किया है कि जेल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कोई भी प्रतिबंधित सामग्री जैसे रुपये पैसे, मोबाईल, कोई भी मादक पदार्थ आदि लेकर न आएं। किसी भी प्रकार की बाहरी सामग्री के साथ प्रवेश नही दिया जाएगा। केवल जेल केंटीन से राखी, मिठाई 250 ग्राम, कुमकुम, फल एवं रुमाल ही स्वीकार की जाएगी, जो जेल केंटीन से निर्धारित राशि भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने मुलाकात हेतु आई बहनों से अनुरोध की है कि मुलाकात में सहयोग प्रदान करें एवं किसी भी प्रकार से अव्यवस्था उत्पन्न न करें, अन्यथा संबंधित को मुलाकात से वंचित होना पड़ेगा।

हर घर तिरंगा अभियान का बस्तर में भव्य शुभारंभ

बिहान समूह की दीदियों ने संभाली देशभक्ति की कमान, तिरंगा फहराकर दी प्रेरणा

जगदलपुर। देश की आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर आयोजित 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत बस्तर जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हो गया है। जिलेभर में इस अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की दीदियों ने बखूबी संभाल ली है। कलेक्टर हरिस एस एवं जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के आह्वान पर बिहान समूह की सैकड़ों महिलाएं इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। जिले के बस्तर, बकावंड, लोहंडीगुड़ा, जगदलपुर, दरभा, तोकापाल और बास्तानार ब्लॉकों में 2 अगस्त से 15 अगस्त तक यह अभियान चलाया जा रहा है। बिहान समूह की दीदियों ने गांव-गांव तिरंगा फहराकर अभियान की

शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर नागरिकों से अपने घरों में तिरंगा फहराने और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। दीदियों ने कहा कि—

तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, बल्कि आजादी का प्रतीक है, जिसे घर पर फहराकर हम अपने देश के प्रति कृतज्ञता और गर्व व्यक्त करते हैं। इस अभियान का उद्देश्य केवल झंडा फहराना नहीं, बल्कि देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और नागरिक कर्तव्यों की भावना को जागृत करना है। बिहान समूह की महिलाएं इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रंगोली निर्माण, तिरंगा यात्राएं, रैलियां और नुक्कड़ नाटकों जैसे रचनात्मक माध्यमों का सहारा ले रही हैं। इन प्रयासों से न केवल ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ रही है, बल्कि एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार भी हो रहा है। बस्तर की दीदियों ने यह संकल्प लिया है कि वे हर घर तक तिरंगे की भावना और गौरव को पहुंचाकर इस राष्ट्रीय पर्व को एक जन-आंदोलन का रूप देंगी।

बस्तर में मछली बीज उत्पादन ने पकड़ी रफ्तार

आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से बढ़ते क़दम, किसानों को हो रहा भरपूर लाभ

जगदलपुर। बस्तर जिले में मछली पालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और मत्स्य बीज प्रक्षेत्रों की बदौलत मछली बीज उत्पादन के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की जा रही है। मत्स्य पालन में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाते हुए जिला अब प्रदेश में अग्रणी स्थान की ओर अग्रसर है। इससे एक ओर जहां मछुआरों और किसानों की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी सशक्त हो रही है। जिले में फिलहाल दो प्रमुख शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र—बालेंगा और मोती तालाब—संचालित हैं, जिन्होंने उत्पादन के लक्ष्य को न केवल पूरा किया बल्कि कई मामलों में उसे पार भी कर लिया है।

बालेंगा प्रक्षेत्र- लक्ष्य के पार, गुणवत्ता में भी उत्कृष्ट: वित्तीय वर्ष 2024-25 में बालेंगा मत्स्य बीज प्रक्षेत्र ने 8 करोड़ स्पान बीज का उत्पादन कर 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया। साथ ही 60 लाख 32 हजार स्टैंडर्ड फ्राय का उत्पादन किया गया, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक रहा। वर्ष 2025-26 में भी यह प्रक्षेत्र अपनी गति बनाए हुए है। अब तक 8 करोड़ 32 लाख स्पान और 2 लाख 32 हजार स्टैंडर्ड फ्राय का उत्पादन व वितरण किया जा चुका है।

मोती तालाब प्रक्षेत्र- रिकॉर्ड उत्पादन और वितरण: जगदलपुर स्थित मोती तालाब मत्स्य बीज प्रक्षेत्र ने वर्ष 2024-25 में 2 करोड़ 6 लाख 2 हजार 860 स्टैंडर्ड फ्राय का उत्पादन कर अपने लक्ष्य (1.80 करोड़) से कहीं अधिक उत्पादन किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 60 लाख स्टैंडर्ड फ्राय का वितरण किया जा चुका है।

सरकारी योजनाएं दे रही हैं किसानों को संबल: मछली पालन विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का प्रभाव ज़मीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। ये योजनाएं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ मत्स्य उत्पादन को भी नई ऊँचाई प्रदान कर रही हैं।

1. मौसमी तालाबों में मत्स्य बीज संवर्धन योजना

इस योजना के अंतर्गत विभाग मौसमी तालाबों में बीज उत्पादन के लिए किसानों को 100त्न अनुदान पर स्पान और पूरक आहार प्रदान करता है। वर्ष 2024-25 में 15 कृषकों को इसका लाभ मिला, जबकि 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इससे योजना की बढ़ती लोकप्रियता स्पष्ट होती है।

2. मत्स्य अंगुलिका क्रय कर संचयन पर आर्थिक सहायता योजना

इस योजना के तहत 1 से 10 हेक्टेयर तालाब वाले मछुआरों को प्रति वर्ष ?4,000 के खर्च पर ?2,000 की अनुदान राशि दी जाती है। वर्ष 2024-25 में 796 मछुआरों को 1.05 करोड़ मछली बीज वितरित किए गए। वर्ष 2025-26 में 1,000 इकाइयों तक बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आर्थिक सशक्तिकरण और खाद्य सुरक्षा की दिशा में सशक्त क़दम: बस्तर जिले में मछली पालन को लेकर हो रहे ये सकारात्मक प्रयास न केवल स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में आर्थिक मजबूती और पोषण सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

स्थान- शासकीय डॉ. अंबेडकर पोस्ट मैट्रिक छात्रावास, भोपाल

भोपाल। छात्रों के शांतिपूर्ण धरने ने प्रशासन को किया संवाद के लिए मजबूर , छात्रावास परिसर को बचाने एवं नवीन प्रवेश पर प्रशासन से आम सहमति बनने पर छात्रों का धरना सफल रहा। जो छात्रों की एकजुट ताकत से प्रशासन को छात्रों की मांग पर विमर्श एवं संवाद के लिए छात्रावास आना ही पड़ा आंदोलन की वास्तविक ताकत में शासन को झुकाने का काम किया। शासकीय डॉ. अंबेडकर पोस्ट मैट्रिक छात्रावास, भोपाल के छात्रों द्वारा छात्रावास परिसर की रक्षा एवं 6 सूत्रीय मांगों को लेकर आज एक शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया गया। यह आंदोलन लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा और अनसुनी मांगों के खिलाफ छात्रों की एकजुटता और संकल्प का परिणाम है। बीते कुछ महीनों में छात्र बार-बार अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय, कमिश्नर कार्यालय और शासन के मंत्रियों तक अपनी बात पहुँचा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया था। आज के शांतिपूर्ण धरने के माध्यम से छात्रों ने एक बार फिर अपनी आवाज बुलंद की, जिसकी गूंज प्रशासन तक पहुंची । धरने की सूचना मिलते ही भोपाल के एसडीएम, जिला प्रशासन और आदिम जाति कल्याण विभाग के अपर आयुक्त (ट्ट कमिश्नर) मौके पर पहुंचे और छात्रों से संवाद स्थापित किया। प्रशासन ने छात्रों को आश्वस्त किया कि एक बार पुन: जांच समिति गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा अगस्त माह के अंत तक समाधान प्रस्तुत किया जाएगा। छात्रों ने प्रशासन के आश्वासन को गंभीरता से लिया है, किंतु स्पष्ट कर दिया है कि यदि दिनांक 20 अगस्त 2025 तक उनकी मांगों पर ठोस कार्यवाही नहीं होती है, तो वे विवश होकर और अधिक व्यापक स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। यह आंदोलन न केवल छात्रों की समस्याओं का समाधान है, बल्कि यह छात्र आवाज़ की ताकत और एकता का प्रतीक भी है।

जारीकर्ता-
SFI district committee bhopal
शासकीय डॉ. अंबेडकर पोस्ट मैट्रिक छात्रावास श्यामला हिल्स भोपाल।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बजावंड में विशेष आयोजन

विधायक लखेश्वर बघेल ने की अपील- बुनकरों द्वारा बनाए कपड़ों का करें उपयोग

जगदलपुर- बजावंड (बस्तर), राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर बकावंड विकासखंड के ग्राम बजावंड में एक विशेष प्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक हथकरघा को बढ़ावा देना और बुनकरों को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक लखेश्वर बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें बुनकरों द्वारा बनाए गए पारंपरिक वस्त्रों को अपनाना चाहिए, जिससे न केवल उनकी आजीविका सुदृढ़ होगी, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत भी संरक्षित रहेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बनवासी मोरे, पूर्व जनपद सदस्य नारायण बघेल, पूर्व सरपंच भगवान भारती, ग्राम सरपंच भगवती भारती, जिला हथकरघा कार्यालय जगदलपुर के उपसंचालक अनिल कुमार सोम, निरीक्षक रोहित पात्रे व रमेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपसंचालक अनिल कुमार सोम व निरीक्षक रोहित पात्रे ने विभागीय योजनाओं और हथकरघा दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। खंड स्वास्थ्य अधिकारी बकावंड के सहयोग से आयोजित नेत्र जांच शिविर में 50 से अधिक बुनकरों की आंखों की जांच की गई व जरूरतमंदों को चश्मा वितरित किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर के प्रभारी बी.एस. ध्रुव द्वारा प्रश्न मंच का आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मौके पर ही पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में बुनकर समिति के 10 हितग्राहियों को हैंडलूम वितरित किए गए। लाभान्वित बुनकरों में घनश्याम झाली, रामचंद्र झाली, कुसनो झाली, फूलचंद नेताम, चौवन मरकाम, बैद्यनाथ झाली, गुसो मरकाम, शंभूनाथ नेताम, नकुल नाग और लक्षीम झाली शामिल हैं। साथ ही, समिति के तीन मेधावी छात्रङ्कछात्राओं गौरव चंदेल, सुमित मंडल और निमिषा झाली को विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रमेश कुमार द्वारा किया गया। इस आयोजन में वतन केसरी की छत्तीसगढ़ प्रमुख मीनाक्षी जोशी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और बुनकर समुदाय के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में कंकालिन प्राथमिक बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बजावंड का विशेष सहयोग रहा।

उत्तरकाशी आपदा : मौसम विभाग और एक्सपर्ट ने नकारी बादल फटने की बात

बादल फटने जितनी नहीं हुई बारिश, धराली में ग्लेशियल झील के फटने से आई तबाही!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली/ देहरादून. उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में आई विनाशकारी बाढ़ का कारण बादल फटना नहीं था। बादल फटने की थ्योरी विशेषज्ञों के गले नहीं उतर रही, वे ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) या हिमखंड टूटने को इसकी वजह मान रहे हैं। मौसम विभाग और सैटेलाइट के आंकड़े भी बादल फटने की थ्योरी को सही नहीं ठहराते। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र ...ल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई ...जो बादल फटने के मानकों से बहुत ...है। उत्तरकाशी में अधिकतम वर्षा ...मी दर्ज की गई, जबकि एक घंटे ...मिमी से ज्यादा बारिश होने पर ...फटने की स्थिति बनती है। अब वैज्ञानिकों का मानना है

धराली में विनाशकारी बाढ़ के बाद बुधवार को राहत कार्य में जुटी सेना।

28 सैलानी लापता

हिमाचल : बादल फटा,

देवभूमि मा देव भक्त मन,
काबर मरिन हवय बेमौत।
सबो रिहिन हे धरम करइया,
काबर बुताइस जिनगी जोत।।
एखर मतलब इंखर भक्ति मा,
कुछ ना कुछ तो गड़बड़ हे।
धरम के असली मरम नइ जानिन,
तभे तो उखनिस इंखर जड़ हे।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

रेल कोच इकाई भोपाल मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास को गति देगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

10 अगस्त को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह करेंगे भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रदेश को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात प्राप्त हो रही है। भारत अर्थ मूवर्स परियोजना द्वारा भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से भोपाल, रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा। इन जिलों के तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। परियोजना में 1500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलना प्राप्त होगा। मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहे भोपाल क्षेत्र को इस परियोजना से बहुत लाभ होगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में चल रहे मेक इन इंडिया मिशन के भाव का प्रकटीकरण है। यहां बनने वाले वंदे भारत-अमृत भारत और मेट्रो ट्रेनों के कोच से सम्पूर्ण भारतीय रेल व्यवस्था के नए युग का सूत्रपात होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रेल कोच निर्माण सुविधा के लिए औबेदुल्लागंज में 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के मुख्य आतिथ्य में होने वाले भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में समत्व भवन में हई बैठक में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास को गति देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमिपूजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन शामिल होंगे।

भोपाल बन रहा देश का टैक हब, युवाओं के कॅरियर को मिलेगी नई उड़ान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल अब नवाचार का केंद्र बनकर भारत के डिजिटल भविष्य को आकार देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। यहां ड्रोन, एवीजीसी-एक्सआर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन डाटा इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों के अग्रणी केंद्र और उद्योग साझेदारियां आकार ले रही हैं। भोपाल जल्द ही ड्रोन टेक्नोलॉजी का भी हब बनेगा। एनीमेशन ग्राफ़िक्स जैसे नए सेक्टर्स भी प्रदेश के युवाओं के कॅरियर को नई उड़ान देने तैयार हैं। भोपाल में सेमी-कंडक्टर और डाटा-सेंटर जैसे ग्लोबल टेक्नोलॉजी ट्रेंड्स भी विकसित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की विकासमूलक रणनीतिक सोच से भोपाल का हाई-टैक इंडस्ट्रीज के लिए एक मनपसंद गंतव्य के रूप में उभरना कोई संयोग नहीं है, बल्कि, योजनाबद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर एवं ईको सिस्टम का विकास और भविष्योन्मुखी नीतियों के निर्माण का परिणाम है। देशी-विदेशी कंपनियां मध्यप्रदेश में उद्यमिता को चुन रही हैं। उन्हें प्रदेश में ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस और नीतिगत प्रक्रिया सहयोग भी मिल रहा है। सेमी-कंडक्टर और ड्रोन जैसे डीप-टैक उपक्रमों से लेकर एवीजीसी और डाटा सेंटर्स तक के लिये मध्यप्रदेश भारत के डिजिटल भविष्य का लॉन्चपैड बनता जा रहा है। ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में स्थापित हो रहा एवीजीसी-एक्सआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस युवाओं को गेमिंग, एनीमेशन और वीएफएक्स के क्षेत्र में प्रशिक्षण और स्टार्ट-अप्स के लिए मंच देगा। इसमें एलईडी वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो, एआई लैब्स, मोशन कैप्चर सिस्टम और रेंडर फार्म्स जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। यह केंद्र देश के मेट्रो शहरों पर निर्भरता को कम करते हुए एक नया डिजिटल वर्कफोर्स तैयार करेगा। आइसर का ड्रोन ट्रेनिंग और शोध केन्द्र बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आईसर भोपाल में बन रहा ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एआई-एनेबल्ड ड्रोन निर्माण, स्वदेशी प्रोटोटाइपिंग और एआर/वीआर आधारित प्रशिक्षण के अनूठे मंच के रूप में विकसित हो रहा है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)